Hin 2A07a Exercice Cours 2

फ़िल्म : शोले (1975) **परदे पर** : अमजद खान (गब्बर सिंह), बीजू खोटे (कालिया), मैकमोहन (साम्भा) व अन्य

http://www.youtube.com/embed/CtunZRes4Ag (de 0:00 à 6:00)

गब्बर सिंह : ..... ?

डाकू : .....।

गब्बर:.....

..... कि सरदार बहुत खुस (sic. खुश) होगा साबासी (sic. शाबाशी) देगा ? क्यों ? धिक्कार है ! अरे ओ साम्भा ! कितना इनाम रखे है सरकार हमपर (sic. सरकार ने हमपर कितना इनाम रखा है)?

साम्भा : .....।

गब्बर:.....

.....कोस

और ये तीन हरामज़ादे, ये गब्बर सिंह का नाम पूरा मिट्टी में मिलाए दिए (sic. इन्होंने गब्बर का नाम मिट्टी में मिला दिया)। इसकी सज़ा मिलेगी, बराबर मिलेगी। ..... कितनी गोली है (sic. गोलियां हैं) इसका (sic. इसके) अंदर, कितनी गोली है ?

डाकू : छ सरदार।

गब्बर :.....

.....नाइंसाफ़ी

अब हम इसको घुमाएगी (sic. घुमाएंगे)।

.....

.....

कालिया : .....।

गब्बर:.....

.....

Hin 2A07a Exercice Cours 2

फ़िल्म : शोले (1975) **परदे पर** : अमजद खान (गब्बर सिंह), बीजू खोटे (कालिया), मैकमोहन (साम्भा) व अन्य

गब्बर सिंह : कितने आदमी थे ?

डाकू : सरदार, दो आदमी थे।

गब्बर सिंह : हम्म, दो आदमी। सूअर के बच्चों ! वो (sic. वे) दो थे और तुम तीन। फिर भी वापस आ गए , खाली हाथ। क्या समझकर आए थे ? कि सरदार बहुत खुस (sic. खुश) होगा साबासी (sic. शाबाशी) देगा ? क्यों ? धिक्कार है ! अरे ओ साम्भा ! कितना इनाम रखे है सरकार हमपर (sic. सरकार ने हमपर कितना इनाम रखा है)?

साम्भा : पूरे पचास हज़ार।

गब्बर सिंह : सुना ? पूरे पचास हजार। और यह इनाम इसलिए है कि यहां से पचास पचास कोस दूर गांव में जब बच्चा रात को रोता है, तो मां कहती है बेटे सो जा। सो जा नहीं तो गब्बर सिंह आ जाएगा। और ये तीन हरामज़ादे, ये गब्बर सिंह का नाम पूरा मिट्टी में मिलाए दिए (sic. इन्होंने गब्बर का नाम मिट्टी में मिला दिया)। इसकी सज़ा मिलेगी, बराबर मिलेगी। ….. कितनी गोली है (sic. गोलियां हैं) इसका (sic. इसके) अंदर, कितनी गोली है ?

डाकू : छ सरदार।

गब्बर सिंह : छ ….. छ गोली, छ गोली है इसका अंदर। छ गोली और आदमी तीन। बहुत नाइंसाफ़ी है यह ! ठांय ! ठांय ! ठांय ! अब ठीक है। हां अब ठीक है। अब इसके तीन खानों में गोली है, तीन खाली। अब हम इसको घुमाएगी (sic. घुमाएंगे) । अब कहां गोली है, कहां नहीं, हमको नहीं पता। हमको कुछ नहीं पता। इस पिस्तौल में तीन, ज़िन्दगी तीन मौत बंद हैं। देखें किसे क्या मिलता है। ….. बच गया साला ….. यह भी बच गया। तेरा क्या होगा कालिया ?

कालिया : सरदार, मैंने आपका नमक खाया है सरदार।

गब्बर सिंह : अब गोली खा। ….. कमाल हो गया। ….. (हंसते हुए) तीनों बच गए ….. ये तीनों ….. तीनों हरामज़ादों को गोली नहीं लगी ….. तीनों बच गए ….. ठांय ! ठांय ! ठांय ! जो डर गया, समझो मर गया।